Exo

Chapter 18

Hindi Interlinear

Reference: Hindi Easy-to-Read Version

וַיִּשְׁמַע	יִתְרוֹ	כֹּהֵן	מִדְיָן	חֹתֵן	מֹשֶׁה	אֵת	כָּל־	אֲשֶׁר	עָשָׂה	אֱלֹהִים	1
और-सुना	यित्रो-ने	याजक	मिद्यान-का	ससुर	मूसा-का	को	सब-	जो	किया-था	परमेश्वर-ने	
H8085	H3503	H3548	H4080		H4872	H0853	H3605			H0430	

לְמֹשֶׁה	וּלְיִשְׂרָאֵל	עַמּוֹ	כִּי־	הוֹצִיא	יְהוָה	אֶת־	יִשְׂרָאֵל	מִמִּצְרָיִם׃
के-लिए-मूसा	और-के-लिए-इस्राएल	लोग-उसके	कि-	निकाला-था	यहोवा-ने	को-	इस्राएल	से-मिस्र
H4872	H3478			H3318	H3068	H0853	H3478	H4714

मूसा का ससुर यित्रो मिद्यान में याजक था। परमेश्वर ने मूसा और इस्राएल के लोगों की अनेक प्रकार से जो सहायता की उसके बारे में यित्रो ने सुना। यित्रो ने इस्राएल के लोगों को यहोवा द्वारा मिस्र से बाहर ले जाए जाने के बारे में सुना।

וַיִּקַּח	יִתְרוֹ	חֹתֵן	מֹשֶׁה	אֶת־	צִפֹּרָה	אֵשֶׁת	מֹשֶׁה	אַחַר	שִׁלּוּחֶיהָ׃	2
और-लिया	यित्रो-ने	ससुर	मूसा-के	को-	सिप्पोरा	पत्नी	मूसा-की	बाद	भेजने-के-उसके	
H3947	H3503		H4872	H0853	H6855	H0802	H4872		H7964	

इसलिए यित्रो मूसा के पास गया जब वह परमेश्वर के पर्वत के पास डेरा डाले था। वह मूसा की पत्नी सिप्पोरा को अपने साथ लाया। (सिप्पोरा मूसा के साथ नहीं थी क्योंकि मूसा ने उसे उसके घर भेज दिया था।)

וְאֶת	שְׁנֵי	בָנֶיהָ	אֲשֶׁר	שֵׁם	הָאֶחָד	גֵּרְשֹׁם	כִּי	אָמַר	גֵּר	הָיִיתִי	בְּאֶרֶץ	3
और-को	दो	पुत्रों-उसके	जो	नाम	एक-का	गेर्शोम	क्योंकि	कहा-था	परदेशी	था-मैं	में-देश	
H0853	H8147			H8034	H0259	H1647		H0559	H1616	H1961	H0776	

נָכְרִיָּה׃
पराई
H5237

यित्रो मूसा के दोनो पुत्रों को भी साथ लाया। पहले पुत्र का नाम गेर्शोम रखा क्योंकि जब वह पैदा हुआ, मूसा ने कहा, “मैं विदेश में अजनबी हूँ।”

וְשֵׁם	הָאֶחָד	אֱלִיעֶזֶר	כִּי־	אֱלֹהֵי	אָבִי	בְּעֶזְרִי	וַיַּצִּלֵנִי	מֵחֶרֶב	פַּרְעֹה׃	4
और-नाम	एक-का	एलीएज़ेर	क्योंकि-	परमेश्वर	पिता-मेरे	में-सहायता-मेरी	और-बचाया-मुझे	से-तलवार	फ़िरौन-की	
H8034	H0259	H0461		H0430	H0001	H5828	H5337	H2719	H6547	

दूसरे पुत्र का नाम एलीएजेर रखा क्योंकि जब वह उत्पन्न हुआ तो मूसा ने कहा, “मेरे पिता के परमेश्वर ने मेरी सहायता की और मिस्र के राजा की तलवार से मुझे बचाया है।”

וַיָּבֹא	יִתְרוֹ	חֹתֵן	מֹשֶׁה	וּבָנָיו	וְאִשְׁתּוֹ	אֶל־	אֶל־	מֹשֶׁה	הַמִּדְבָּר	5
और-आया	यित्रो	ससुर	मूसा-का	और-पुत्रों-उसके	और-पत्नी-उसकी	पास-	में-	मूसा	जंगल	
H0935	H3503		H4872		H0802	H0413	H0413	H4872		

אֲשֶׁר־	הוּא	חֹנֶה	שָׁם	הַר	הָאֱלֹהִים׃	
जहां-	वह	डेरा-डाला-था	वहां	पहाड़	परमेश्वर-का	
	H1931	H2583	H8033	H2022	H0430	

इसलिए यित्रो मूसा के पास तब गया जब वह परमेश्वर के पर्वत (सीनै पर्वत) के निकट मरुभूमि में डेरा डाले था। मूसा की पत्नी और उसके दो पुत्र यित्रो के साथ थे।

וַיֹּאמֶר	אֶל־	מֹשֶׁה	אֲנִי	חֹתֶנְךָ	יִתְרוֹ	בָּא	אֵלֶיךָ	וְאִשְׁתְּךָ	וּשְׁנֵי	בָנֶיהָ	6
और-कहा	से-	मूसा	मैं	ससुर-तेरा	यित्रो	आया-हूं	पास-तेरे	और-पत्नी-तेरी	और-दो	पुत्र-उसके	
H0559	H0413	H4872	H0589		H3503	H0935	H0413	H0802	H8147		

עִמּוֹ׃
साथ-उसके

यित्रो ने मूसा को एक सन्देश भेजा। यित्रो ने कहा, “मैं तुम्हारा ससुर यित्रो हूँ और मैं तुम्हारी पत्नी और उसके दोनों पुत्रों को तुम्हारे पास ला रहा हूँ।”

7

לְרֵעֵהוּ	אִישׁ־	וַיִּשְׁאֲלוּ	לוֹ	וַיִּשַּׁק־	וַיִּשְׁתַּחֲוּ	חֹתְנוֹ	לִקְרַאת	מֹשֶׁה	וַיֵּצֵא
से-साथी-अपने	मनुष्य-ने-	और-पूछा	उसे	और-चूमा-	और-झुका	ससुर-अपने	सामने	मूसा	और-निकला
H7453	H0376	H7592			H7812		H7125	H4872	H3318

הָאֹהֱלָה׃	וַיָּבֹאוּ	לְשָׁלוֹם
में-तम्बू	और-आए	को-शान्ति
H0168	H0935	H7965

इसलिए मूसा अपने ससुर से मिलने गया। मूसा उसके सामने झुका और उसे चूमा। दोनों लोगों ने एक दूसरे का कुशल क्षेम पूछा। तब वे मूसा के डेरे में और अधिक बातें करने गए।

8

וּלְמִצְרַיִם	לְפַרְעֹה	יְהוָה	עָשָׂה	אֲשֶׁר	כָּל־	אֵת	לְחֹתְנוֹ	מֹשֶׁה	וַיְסַפֵּר
और-को-मिस्र	को-फ़िरौन	यहोवा-ने	किया-था	जो	सब-	को	को-ससुर-अपने	मूसा-ने	और-बताया
H4714	H6547	H3068			H3605	H0853		H4872	

יְהוָה׃	וַיַּצִּלֵם	בַּדֶּרֶךְ	מְצָאָתַם	אֲשֶׁר	הַתְּלָאָה	כָּל־	אֵת	יִשְׂרָאֵל	אוֹדֹת	עַל
यहोवा-ने	और-बचाया-उन्हें	में-राह	पाई-थी-उन्हें	जो	कष्ट	सब-	को	इस्राएल-की	खातिर	पर
H3068	H5337	H1870	H4672		H8513	H3605	H0853	H3478	H0182	

मूसा ने अपने ससुर यित्रो को हर एक बात बताई जो यहोवा ने इस्राएल के लोगों के लिए की थी। मूसा ने वे चीज़ें भी बताई जो यहोवा ने फ़िरौन और मिस्र के लोगों के लिए की थीं। मूसा ने रास्ते की सभी समस्याओं के बारे में बताया और मूसा ने अपने ससुर को बताया कि किस तरह यहोवा ने इस्राएली लोगों को बचाया, जब—जब वे कष्ट में थे।

9

אֲשֶׁר	לְיִשְׂרָאֵל	יְהוָה	עָשָׂה	אֲשֶׁר־	הַטּוֹבָה	כָּל־	עַל	יִתְרוֹ	וַיִּחַדְ
जो	के-लिए-इस्राएल	यहोवा-ने	की-थी	जो-	भलाई	सब-	पर	यित्रो	और-प्रसन्न-हुआ
	H3478	H3068				H3605		H3503	H2302

מִצְרַיִם׃	מִיַּד	הִצִּילוֹ
मिस्र-के	से-हाथ	बचाया-उसे
H4714	H3027	H5337

यित्रो उस समय बहुत प्रसन्न हुआ जब उसने यहोवा द्वारा इस्राएल के लिए की गई सभी अच्छी बातों को सुना। यित्रो इसलिए प्रसन्न था कि यहोवा ने इस्राएल के लोगों को मिस्रियों से स्वतन्त्र कर दिया था।

10

אֲשֶׁר	פַּרְעֹה	וּמִיַּד	מִצְרַיִם	מִיַּד	אֶתְכֶם	הִצִּיל	אֲשֶׁר	יְהוָה	בָּרוּךְ	יִתְרוֹ	וַיֹּאמֶר
जिसने	फ़िरौन-के	और-से-हाथ	मिस्र-के	से-हाथ	को-तुम्हें	बचाया	जिसने	यहोवा	धन्य	यित्रो-ने	और-कहा
	H6547	H3027	H4714	H3027	H0853	H5337		H3068	H1288	H3503	H0559

מִצְרַיִם׃	יַד־	מִתַּחַת	הָעָם	אֶת־	הִצִּיל
मिस्र-के	हाथ-	से-नीचे	लोग	को-	बचाया
H4714	H3027	H8478		H0853	H5337

यित्रो ने कहा, “यहोवा की स्तुति करो! उसने तुम्हें मिस्र के लोगों से स्वतन्त्र कराया। यहोवा ने तुम्हें फ़िरौन से बचाया है।

11

זָדוּ	אֲשֶׁר	בַּדָּבָר	כִּי	הָאֱלֹהִים	מִכָּל־	יְהוָה	גָּדוֹל	כִּי־	יָדַעְתִּי	עַתָּה
अभिमान-किया-था	जो	में-बात	क्योंकि	देवताओं	से-सब-	यहोवा	बड़ा	कि-	जानता-हूं-मैं	अब
H2102		H1697		H0430	H3605	H3068			H3045	H6258

עֲלֵיהֶם׃
पर-उन

अब मैं जानता हूँ कि यहोवा सभी देवताओं से महान है, उन्होंने सोचा कि सबकुछ उनके काबू में है लेकिन देखो, परमेश्वर ने क्या किया!”

12

וַיִּקַּח	יִתְרוֹ	חֹתֵן	מֹשֶׁה	עֹלָה	וּזְבָחִים	לֵאלֹהִים	וַיָּבֹא	אַהֲרֹן	וְכֹל	זִקְנֵי
और-लिया	यित्रो-ने	ससुर	मूसा-के	होमबलि	और-बलियों	के-लिए-परमेश्वर	और-आया	हारून	और-सब	पुरनिए
H3947	H3503		H4872		H2077	H0430	H0935	H0175	H3605	H2205

יִשְׂרָאֵל	לֶאֱכָל־	לֶחֶם	עִם־	חֹתֵן	מֹשֶׁה	לִפְנֵי	הָאֱלֹהִים׃
इस्राएल-के	खाने-को-	रोटी	साथ-	ससुर	मूसा-के	सामने	परमेश्वर-के
H3478	H0398	H3899			H4872	H6440	H0430

> तब यित्रो ने परमेश्वर के सम्मान में बलि तथा भेंटे दीं। तब हारून तथा इस्राएल के सभी बुजुर्ग (नेता) मूसा के ससुर यित्रो के साथ भोजन करने आए। यह उन्होंने परमेश्वर की उपासना की विशेष विधि के रूप में किया।

13

וַיְהִי	מִמָּחֳרָת	וַיֵּשֶׁב	מֹשֶׁה	לִשְׁפֹּט	אֶת־	הָעָם	וַיַּעֲמֹד	הָעָם	עַל־	מֹשֶׁה
और-हुआ	दूसरे-दिन-से	और-बैठा	मूसा	न्याय-करने-को	को-	लोग	और-खड़े-रहे	लोग	पास-	मूसा-के
H1961	H4283	H3427	H4872	H8199	H0853		H5975			H4872

מִן־	הַבֹּקֶר	עַד־	הָעָרֶב׃
से-	सुबह	तक-	शाम
	H1242	H5704	H6153

> अगले दिन मूसा लोगों का न्याय करने वाला था। वहाँ लोगों की संख्या बहुत अधिक थी। इस कारण लोगों को मूसा के सामने सारे दिन खड़ा रहना पड़ा।

14

וַיַּרְא	חֹתֵן	מֹשֶׁה	אֵת	כָּל־	אֲשֶׁר־	הוּא	עֹשֶׂה	לָעָם	וַיֹּאמֶר	מָה־	הַדָּבָר
और-देखा	ससुर-ने	मूसा-के	को	सब-	जो-	वह	करता-था	को-लोग	और-कहा	क्या-	बात
H7200		H4872	H0853	H3605		H1931			H0559	H4100	H1697

הַזֶּה	אֲשֶׁר	אַתָּה	עֹשֶׂה	לָעָם	מַדּוּעַ	אַתָּה	יוֹשֵׁב	לְבַדֶּךָ	וְכָל־	הָעָם	נִצָּב
यह	जो	तू	करता-है	को-लोग	क्यों	तू	बैठता-है	अकेला-तू	और-सब-	लोग	खड़े-हैं
H2088					H4069		H3427	H0905	H3605		H5324

עָלֶיךָ	מִן־	בֹּקֶר	עַד־	עָרֶב׃
पास-तेरे	से-	सुबह	तक-	शाम
		H1242	H5704	H6153

> यित्रो ने मूसा को न्याय करते देखा। उसने पूछा, “तुम ही यह क्यों कर रहे हो? एक मात्र न्यायाधीश तुम्हीं क्यों हो? और लोग केवल तुम्हारे पास ही सारे दिन क्यों आते हैं?”

15

וַיֹּאמֶר	מֹשֶׁה	לְחֹתְנוֹ	כִּי־	יָבֹא	אֵלַי	הָעָם	לִדְרֹשׁ	אֱלֹהִים׃
और-कहा	मूसा-ने	से-ससुर-अपने	क्योंकि-	आते-हैं	पास-मेरे	लोग	पूछने-को	परमेश्वर-से
H0559	H4872			H0935	H0413		H1875	H0430

> तब मूसा ने अपने ससुर से कहा, “लोग मेरे पास आते हैं और अपनी समस्याओं के बारे में मुझ से परमेश्वर का निर्णय पूछते हैं।

16

כִּי־	יִהְיֶה	לָהֶם	דָּבָר	בָּא	אֵלַי	וְשָׁפַטְתִּי	בֵּין	אִישׁ	וּבֵין	רֵעֵהוּ
जब-	होता-है	को-उन	बात	आता-है	पास-मेरे	और-न्याय-करता-हूं-मैं	बीच	मनुष्य	और-बीच	साथी-उसके
	H1961		H1697	H0935	H0413	H8199	H0996	H0376	H0996	H7453

וְהוֹדַעְתִּי	אֶת־	חֻקֵּי	הָאֱלֹהִים	וְאֶת־	תּוֹרֹתָיו׃
और-बताता-हूं-मैं	को-	विधियों	परमेश्वर-की	और-को-	व्यवस्थाओं-उसकी
H3045	H0853	H2706	H0430	H0853	H8451

> यदि उन लोगों का कोई विवाद होता है तो वे मेरे पास आते हैं। मैं निर्णय करता हूँ कि कौन ठीक है। इस प्रकार मैं परमेश्वर के नियमों और उपदेशों की शिक्षा लोगों को देता हूँ।”

17

וַיֹּאמֶר	חֹתֵן	מֹשֶׁה	אֵלָיו	לֹא־	טוֹב	הַדָּבָר	אֲשֶׁר	אַתָּה	עֹשֶׂה׃
और-कहा	ससुर-ने	मूसा-के	से-उस	नहीं-	अच्छी	बात	जो	तू	करता-है
H0559		H4872	H0413	H3808		H1697			

> किन्तु मूसा के ससुर ने उससे कहा, “जिस प्रकार तुम यह कर रहे हो, ठीक नहीं है।

18

נָבֹ֣ל	थकते-हुए	
תִּבֹּ֔ל	थकेगा	
גַּם־	भी-	H1571
אַתָּ֕ה	तू	
גַּם־	भी-	H1571
הָעָ֥ם	लोग	
הַזֶּ֖ה	यह	H2088
אֲשֶׁ֣ר	जो	
עִמָּ֑ךְ	साथ-तेरे	
כִּֽי־	क्योंकि-	
כָבֵ֤ד	भारी	H3515
מִמְּךָ֙	से-तुझ	
הַדָּבָ֔ר	बात	H1697
לֹא־	नहीं-	H3808
תוּכַ֥ל	सकता-है	H3201
עֲשֹׂ֖הוּ	करने-उसे	
לְבַדֶּֽךָ׃	अकेला-तू	H0905

तुम्हारे अकेले के लिए यह काम अत्याधिक है। इससे तुम थक जाते हो और इससे लोग भी थक जाते हैं। तुम यह काम स्वयं अकेले नहीं कर सकते।

19

עַתָּ֞ה	अब	H6258
שְׁמַ֤ע	सुन	H8085
בְּקֹלִי֙	को-आवाज़-मेरी	
אִיעָ֣צְךָ֔	सलाह-दूंगा-तुझे-मैं	H3289
וִיהִ֥י	और-हो	H1961
אֱלֹהִ֖ים	परमेश्वर	H0430
עִמָּ֑ךְ	साथ-तेरे	
הֱיֵ֧ה	हो	H1961
אַתָּ֣ה	तू	
לָעָ֗ם	के-लिए-लोग	
מ֚וּל	सामने	H4136
הָֽאֱלֹהִ֔ים	परमेश्वर-के	H0430
וְהֵבֵאתָ֥	और-ला	H0935
אַתָּ֛ה	तू	
אֶת־	को-	H0853
הַדְּבָרִ֖ים	बातों	H1697
אֶל־	पास-	H0413
הָאֱלֹהִֽים׃	परमेश्वर-के	H0430

मैं तुम्हें कुछ सुझाव दूँगा। मैं तुम्हें बताऊँगा कि तुम्हें क्या करना चाहिए। मेरी प्रार्थना है कि परमेश्वर तुम्हारा साथ देगा। जो तुम्हें करना चाहिए वह यह है। तुम्हें परमेश्वर के सामने लोगों का प्रतिनिधित्व करते रहना चाहिए, और तुम्हें उनके इन विवादों और समस्याओं को परमेश्वर के सामने रखना चाहिए।

20

וְהִזְהַרְתָּ֣ה	और-चेतावनी-दे	
אֶתְהֶ֔ם	को-उन	H0853
אֶת־	को-	H0853
הַחֻקִּ֖ים	विधियों	H2706
וְאֶת־	और-को-	H0853
הַתּוֹרֹ֑ת	व्यवस्थाओं	H8451
וְהוֹדַעְתָּ֣	और-बता	H3045
לָהֶ֗ם	को-उन	
אֶת־	को-	H0853
הַדֶּ֙רֶךְ֙	राह	H1870
יֵ֣לְכוּ	चलें	H3212
בָ֔הּ	में-उस	
וְאֶת־	और-को-	H0853
הַֽמַּעֲשֶׂ֖ה	काम	H4639
אֲשֶׁ֥ר	जो	
יַעֲשֽׂוּן׃	करें	

तुम्हें परमेश्वर के नियमों और उपदेशों की शिक्षा लोगों को देनी चाहिए। लोगों को चेतावनी दो कि वे नियम न तोड़े। लोगों को जीने की ठीक राह बताओ। उन्हें बताओ कि वे क्या करें।

21

וְאַתָּ֣ה	और-तू	
תֶחֱזֶ֣ה	देख	H2372
מִכָּל־	से-सब-	H3605
הָ֠עָם	लोग	
אַנְשֵׁי־	लोग-	H0376
חַ֜יִל	योग्य	H2428
יִרְאֵ֧י	डरने-वाले	H3373
אֱלֹהִ֛ים	परमेश्वर-से	H0430
אַנְשֵׁ֥י	लोग	H0376
אֱמֶ֖ת	सच्चाई-के	H0571
שֹׂ֣נְאֵי	घृणा-करने-वाले	H8130
בָ֑צַע	लालच-से	H1215
וְשַׂמְתָּ֣	और-ठहरा	
עֲלֵהֶ֗ם	पर-उन	
שָׂרֵ֤י	सरदार	H8269
אֲלָפִים֙	हज़ारों-के	H0505
שָׂרֵ֣י	सरदार	H8269
מֵא֔וֹת	सैकड़ों-के	H3967
שָׂרֵ֥י	सरदार	H8269
חֲמִשִּׁ֖ים	पचासों-के	H2572
וְשָׂרֵ֥י	और-सरदार	H8269
עֲשָׂרֹֽת׃	दसों-के	H6235

किन्तु तुम्हें लोगों में से अच्छे लोगों को चुनना चाहिए। "तुम्हें अपने विश्वासपात्र आदमियों का चुनाव करना चाहिए अर्थात् उन आदमियों का जो परमेश्वर का सम्मान करते हो। उन आदमियों को चुनो जो धन के लिए अपना निर्णय न बदलें। इन आदमियों को लोगों का प्रशासक बनाओ। हज़ार, सौ, पचास और दस लोगों पर भी प्रशासक होने चाहिए।

22

וְשָׁפְט֣וּ	और-न्याय-करें	H8199
אֶת־	को-	H0853
הָעָם֮	लोग	
בְּכָל־	में-सब-	H3605
עֵת֒	समय	H6256
וְהָיָ֞ה	और-होगा	H1961
כָּל־	सब-	H3605
הַדָּבָ֤ר	बात	H1697
הַגָּדֹל֙	बड़ी	
יָבִ֣יאוּ	लाएं	H0935
אֵלֶ֔יךָ	पास-तेरे	H0413
וְכָל־	और-सब-	H3605
הַדָּבָ֥ר	बात	H1697
הַקָּטֹ֖ן	छोटी	
יִשְׁפְּטוּ־	न्याय-करें-	H8199
הֵ֑ם	वे	H1992
וְהָקֵל֙	और-हल्का-करे	H7043
מֵֽעָלֶ֔יךָ	से-पर-तुझ	
וְנָשְׂא֖וּ	और-उठाएं	H5375
אִתָּֽךְ׃	साथ-तेरे	H0854

इन्हीं प्रशासकों को लोगों का न्याय करने दो। यदि कोई बहुत ही गंभीर मामला हो तो वे प्रशासक निर्णय के लिए तुम्हारे पास आ सकते हैं। किन्तु अन्य मामलों का निर्णय वे स्वयं ही कर सकते हैं। इस प्रकार यह तुम्हारे लिए अधिक सरल होगा। इसके अतिरिक्त, ये तुम्हारे काम में हाथ बटा सकेंगे।

23

אִם	אֶת־	הַדָּבָר	הַזֶּה	תַּעֲשֶׂה	וְצִוְּךָ	אֱלֹהִים	וְיָכָלְתָּ	עֲמֹד	וְגַם
अगर	को-	बात	यह	करेगा	और-आज्ञा-देगा-तुझे	परमेश्वर	और-सकेगा	खड़ा-रहना	और-भी
	H0853	H1697	H2088		H6680	H0430	H3201	H5975	H1571

כָל־	הָעָם	הַזֶּה	עַל־	מְקֹמוֹ	יָבֹא	בְשָׁלוֹם׃
सब-	लोग	यह	में-	जगह-अपनी	आएंगे	में-शान्ति
H3605		H2088		H4725	H0935	H7965

> यदि तुम यहोवा की इच्छानुसार ऐसा करते हो तब तुम अपना कार्य करते रहने योग्य हो सकोगे। और इसके साथ ही साथ सभी लोग अपनी समस्याओं के हल हो जाने से शान्तिपूर्वक घर जा सकेंगे।”

24

וַיִּשְׁמַע	מֹשֶׁה	לְקוֹל	חֹתְנוֹ	וַיַּעַשׂ	כֹּל	אֲשֶׁר	אָמָר׃
और-सुना	मूसा-ने	को-आवाज़	ससुर-अपने	और-किया	सब	जो	कहा-था
H8085	H4872				H3605		H0559

> इसलिए मूसा ने वैसा ही किया जैसा यित्रो ने कहा था।

25

וַיִּבְחַר	מֹשֶׁה	אַנְשֵׁי־	חַיִל	מִכָּל־	יִשְׂרָאֵל	וַיִּתֵּן	אֹתָם	רָאשִׁים	עַל־	הָעָם	שָׂרֵי
और-चुना	मूसा-ने	लोग-	योग्य	से-सब-	इस्राएल	और-ठहराया	को-उन	मुखिया	पर-	लोग	सरदार
H0977	H4872	H0376	H2428	H3605	H3478	H5414	H0853				H8269

אֲלָפִים	שָׂרֵי	מֵאוֹת	שָׂרֵי	חֲמִשִּׁים	וְשָׂרֵי	עֲשָׂרֹת׃
हज़ारों-के	सरदार	सैकड़ों-के	सरदार	पचासों-के	और-सरदार	दसों-के
H0505	H8269	H3967	H8269	H2572	H8269	H6235

> मूसा ने इस्राएल के लोगों में से योग्य पुरुषों को चुना। मूसा ने उन्हें लोगों का अगुआ बनाया। वहाँ हज़ार, सौ, पचास और दस लोगों के ऊपर प्रशासक थे।

26

וְשָׁפְטוּ	אֶת־	הָעָם	בְּכָל־	עֵת	אֶת־	הַדָּבָר	הַקָּשֶׁה	יְבִיאוּן	אֶל־	מֹשֶׁה
और-न्याय-करते-थे	को-	लोग	में-सब-	समय	को-	बात	कठिन	लाते-थे	पास-	मूसा-के
H8199	H0853		H3605	H6256	H0853	H1697	H7186	H0935	H0413	H4872

וְכָל־	הַדָּבָר	הַקָּטֹן	יִשְׁפּוּטוּ	הֵם׃
और-सब-	बात	छोटी	न्याय-करते-थे	वे
H3605	H1697		H8199	H1992

> ये प्रशासक लोगों के न्यायाधीश थे। लोग अपनी समस्याएँ इन प्रशासको के पास सदा ला सकते थे। और मूसा को केवल गंभीर मामले ही निपटाने पड़ते थे।

27

וַיְשַׁלַּח	מֹשֶׁה	אֶת־	חֹתְנוֹ	וַיֵּלֶךְ	לוֹ	אֶל־	אַרְצוֹ׃	פ
और-विदा-किया	मूसा-ने	को-	ससुर-अपने	और-गया	वह	में-	देश-अपने	।
H7971	H4872	H0853		H3212		H0413	H0776	

> कुछ समय बाद मूसा ने अपने ससुर यित्रो से विदा ली और यित्रो अपने घर लौट गया।